खबर संक्षेप

रामनवमी पर सोहागपुर में गूंजी एकता की मिसाल

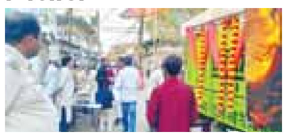

शहडोल। रामनवमी के पावन अवसर पर सोहागपुर स्थित राम जानकी मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। शोभायात्रा जैसे ही मार्गों से गुजरती हुई मस्जिद के सामने पहुंची, वहां एक अलग ही नजारा देखने को मिला। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अंजुमन इस्लामिया कमेटी द्वारा शोभायात्रा का भावपूर्ण स्वागत किया गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने आगे बढक़र श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया, गले मिलकर उन्हें रामनवमी की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान ठंडा पानी, शरबत का वितरण किया गया और पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा को सम्मानित किया गया।

मुस्लिम समाज ने किया शोभायात्रा का भव्य स्वागत

इस अनूठे दृश्य को देखकर लोग बेहद खुश नजर आए। सोहागपुर ने एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश की। यहां वर्षों से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए दोनों समुदायों ने आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया।

कार्यक्रम में अंजुमन इस्लामिया कमेटी के सफ़ी उल्ला हन्नान खान सज्जाद खान अब्बास खान सूफियान खान शहजादा जुबैर यासिफ विक्की पिंटू नफीस शादाब जीशान भोले शंकर अग्रवाल सहित मुस्लिम समाज के दर्जनों युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। सोहागपुर का यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे की एक प्रेरणादायक मिसाल भी प्रस्तुत कर गया।

जयसिंहनगर में चैत्र नवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब

जयसिंहनगर। नगर के प्राचीन दुर्गा मंदिर, पुरनिहा तालाब वार्ड क्रमांक 07 के पास चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। नौ दिनों तक नगरवासियों ने विधि-विधान से माता दुर्गा की पूजा-अर्चना कर जवारे बोए और सुख-समृद्धि की कामना की।

नवरात्रि के नौवें दिन एवं रामनवमी के शुभ अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। इस अवसर पर काली माता जी की भव्य झांकी निकाली गई, जिसमें माता के उग्र एवं दिव्य स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। झांकी के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा पारंपरिक रूप से खप्पड़ एवं तलवार के साथ जवारे निकाले गए, जो नगर की प्राचीन धार्मिक परंपरा को दर्शाता है।

झांकी नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर माता जी का स्वागत किया। जय माता दी के गगनभेदी जयकारों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। महिलाएं, पुरुष, युवा एवं बच्चे सभी बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल हुए और भक्ति में लीन नजर आए। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था के भी उचित प्रबंध किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। नगरवासियों में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने मिलकर इसे एक भव्य रूप प्रदान किया। इस प्रकार जयसिंहनगर में चैत्र नवरात्रि एवं रामनवमी का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने पूरे नगर को धर्म और आस्था के रंग में रंग दिया।

कांग्रेस की परिषद ने दिलाई सडक़ों की बदहाली की याद

सीवर की खुदाई में दफन हुई जनता की सुरक्षा!

विपक्ष में बैठी भाजपा बनी है तामशबीन

शहडोल। संभागीय मुख्यालय इन दिनों विकास नहीं, बल्कि विनाश की पटकथा लिख रहा है। पिछले दो सालों से सीवर लाइन के नाम पर पूरे शहर को कुरुक्षेत्र बना दिया गया है। नगर पालिका में काबिज कांग्रेस की परिषद ने जनता को एक बार फिर अपने पुराने शासनकाल की बदहाली और सडक़ों की दुर्दशा की याद ताजा करा दी है। आलम यह है कि शहर की चंद गलियों को छोडक़र हर सडक़ अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है और जिम्मेदार अधिकारी व सफेदपोश नेता एसी कमरों में बैठकर तमाशा देख रहे हैं।

गांधी चौक पर टला बड़ा हादसा

शुक्रवार की सुबह गांधी चौक से सब्जी मंडी मार्ग पर सीवर लाइन के लिए खोदे गए एक लावारिस गड्ढे ने प्रशासन की पोल खोल दी। सब्जियों से लदा एक ट्रक इस खाईनुमा गड्ढे में फंसकर पलटने ही वाला था कि ऐन वक्त पर मजदूरों ने सामान उतारकर संतुलन बनाया। अगर यह ट्रक किसी राहगीर या बाइक सवार पर पलट जाता, तो इसका जिम्मेदार कौन होता, क्या नगर पालिका के कांग्रेस अध्यक्ष या जिले के आला अधिकारी इस हत्यारे गड्ढे की जवाबदेही लेंगे। गांधी चौक, गणेशगंज और शंकर टॉकीज मार्ग अब सडक़ नहीं, बल्कि मौत के जाल बन चुके हैं।

जनता त्राहि-त्राहि, नेता मस्त!

नगर पालिका में लटे-पटे बनी कांग्रेस की परिषद ने शहडोल की जनता को जो नरक दिखाया है, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का ऐसा खेल चल रहा है कि सीवर कंपनी को बार-बार एक्स्टेंशन (समय वृद्धि) का प्रसाद बांटा जा रहा है। अब मई माह तक कार्य पूरा करने का नया झुनझुना थमाया गया है। वार्डों में लोग धूल और कीचड़ से घुट रहे हैं, सांस की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के पार्षदों को जनता के दर्द से कोई सरोकार नहीं है। कई पार्षद तो ऐसे हैं जो चुनाव जीतने के बाद ईद का चांद हो गए हैं, जिन्हें ढूंढने के लिए अब दूरबीन की जरूरत पड़ रही है।

विपक्ष की भूमिका में भी फेल भगवा दल

सबसे शर्मनाक पहलू तो यह है कि खुद को जनता का हितैषी बताने वाली भाजपा इस पूरे मामले में मौन व्रत धारण किए हुए है। नगर पालिका परिषद में विपक्ष में बैठी भाजपा ने आज तक सीवर लाइन की घटिया कार्यप्रणाली और नागरिकों की समस्याओं को लेकर कोई बड़ा आंदोलन नहीं किया। सत्ताधारी दल के बड़े नेताओं से लेकर भाजपा पार्षदों तक, सब ने अपनी आंखें मूंद ली हैं। क्या भाजपा और कांग्रेस के बीच कोई गुपचुप समझौता हो गया है, भाजपा पार्षदों की निष्क्रियता ने यह साबित कर दिया है कि उन्हें भी वार्डवासियों की जान की कोई फिक्र नहीं है।

ज़ेसीबी लाओ और कहीं भी खोद दो!

शहडोल में प्रशासनिक अराजकता का यह हाल है कि शहरवासी अब तंज कसने लगे हैं कि अगर कोई अनजान व्यक्ति चौराहे पर जेसीबी लाकर गड्ढा खोदना शुरू कर दे, तो नपा या प्रशासन का कोई कारिंदा यह पूछने नहीं आएगा कि भाई, क्यों खोद रहे हो, पांडव नगर रोड से लेकर कलेक्टर मार्ग और जिला चिकित्सालय के पास वन-वे कर दिया गया है, सीवर लाइन में उपयोग हो रही सामग्री की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि सीवर चालू होते ही इसकी असलियत सामने आ जाएगी, लेकिन इस भ्रष्टाचार का मूल्यांकन करने वाला कोई माई का लाल नहीं है।

कमिश्नर-कलेक्टर की उदासीनता

संभागीय मुख्यालय होने के बावजूद कमिश्नर और कलेक्टर की नाक के नीचे शहर का हुलिया बिगाड़ा जा रहा है। अधिकारियों की इस उदासीनता से ऐसा लगता है मानो वे किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में बैठे हों। धूल नियंत्रण के लिए न पानी का छिडक़ाव हो रहा है और न ही गड्ढों की समय पर भराई। प्रशासन की यह लापरवाही अब अपराध की श्रेणी में आती है। कांग्रेस की बदहाल परिषद और भाजपा की संदिग्ध चुप्पी ने शहडोल को बर्बाद कर दिया है। यदि यही स्थिति रही, तो आने वाले चुनावों में इन दोनों दलों को वार्डों में प्रवेश करने के लिए जनता के तीखे सवालों का सामना करना पड़ेगा। शहडोल की जनता अब कागजी वादे नहीं, बल्कि अपनी छिन चुकी सडक़ें और साफ हवा वापस चाहती है।

रामनवमीं पर मंदिरों में मनाया भगवान श्री राम का जन्मोत्सव

शंखनाद व घण्टा ध्वनि के साथ हुआ रामलला का जयघोष

शहडोल। रामनवमीं तिथि पर शुक्रवार को नगर के रामजानकी व हनुमान मंदिरों में भगवान श्री राम का भक्ति भाव तथा हर्षोल्लास से जन्मोत्सव मनाया गया। दोपहर के ठीक 12 बजते ही मंदिरों के पट बंद कर दिए गए और शंखनाद के साथ घण्टा ध्वनि की गई। मंदिर प्रांगणों में जमकर आतिशबाजी की गई। भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए गए। हिन्दू धर्म के अनुसार आज ही के दिन भारतवर्ष की अयोध्या नगरी के राज घराने में भगवान नारायण ने अवतार लिया था। इन्हे श्री राम का नाम दिया गया था। आज सारा विश्व जिन्हे रामलला के नाम से पूजता है।

बधाई बजी, हुए मंगल गीत

प्रसिद्ध श्री घरौलानाथ जी हनुमान मंदिर में दोपहर 12 बजते ही भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाया गया। पट बंद होने के बाद मंदिर के पुजारी पं. नीलू महराज ने शंख बजाकर दिशाओं को पवित्र कर दिया। उन्होने एक पालने में बालस्वरूप भगवान श्री राम का अभिषेक कर उनके श्लोक का गान किया और फिर आरती का गायन कर प्रभु को प्रसाद अर्पित किया। भक्त महिलाओं ने ढोलक की थाप पर भगवान के मंगल गीत गाए। बधाई के बाजे बजाए गए।

आतिशबाजी के साथ उत्सव

मोहनराम रामजानकी मंदिर में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव परंपरागत हर्षोल्लास से मनाया गया। यहां उत्सव में शामिल होने भक्तों की भीड़ उमड़ी और रामायण पाठ किया गया। भगवान के जयकारे लगाए गए। मंदिर ट्रस्ट के सचिव लवकुश शास्त्री ने बताया कि मंदिर में भगवान के जन्मोत्सव के समय भक्त मंडली ने बधाई गीत गाए व मंगल गान किया। भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

यहां भी मनाया जन्मोत्सव

नगर के पंचायती मंदिर में भी भगवान श्रीराम का धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया गया। यहां भी भक्तों की भीड़ उमड़ी और प्रभु का अभिषेक कर आरती, वंदना की गई। बताया गया कि बाजार अंतर्गत स्थित यह मंदिर धार्मिक आयोजनो के लिए प्रसिद्ध है।

सालों से खाक छान रहे तीन स्थाई वारंटी दबोचे, अपराधियों में खौफ

बुढार। कानून की लंबी बांहों ने आखिर उन भगोड़ों को दबोच ही लिया, जो लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहे थे। बुढार थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे 03 स्थाई वारंटियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

पुलिस के रडार पर आए ये भगोड़े

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में ओपीएम अमलाई का भैरव राय उर्फ संतोष, कौशाम्बी (यूपी) का गहताब और रीवा का प्रकाशचंद्र शामिल है। ये तीनों शातिर लंबे समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने ठिकाने बदल रहे थे, लेकिन मुखबिर की सटीक सूचना और पुलिस की घेराबंदी के आगे इनकी एक न चली।

खाकी का सख्त संदेश

27 मार्च को की गई इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि अपराधी चाहे पाताल में भी छुप जाए, बुढार पुलिस उसे ढूंढ निकालेगी। इस क्लीन स्वीप ऑपरेशन में सउनि रविदास संत, प्र.आर. शंकर प्रजापति और आरक्षक गोपाल सिंह की जांबाजी ने अहम भूमिका निभाई। पकड़े गए तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पेट्रोल पंप पर आधी रात को तेल के लिए कोहराम

आम जनता बेहाल, रसूखदारों की चांदी!

शहडोल। विश्व पटल पर गहराते अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के बादलों की तपिश अब जिले के जैतपुर तक पहुंच गई है। युद्ध की आहट के बीच पेट्रोल-डीजल की किल्लत की विनाशकारी अफवाह ने जिले में ऐसा तांडव मचाया है कि लोग अपनी गाडिय़ों की टंकियां फुल कराने के लिए सडक़ों पर उतर आए हैं। गुरुवार की रात जैतपुर स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर उस वक्त जंग जैसे हालात बन गए, जब तेल वितरण में दोहरे मापदंड और भेदभाव के गंभीर आरोप लगे। कतार में लगे आम आदमी को बूंद-बूंद के लिए तरसाया गया, जबकि पर्दे के पीछे डिब्बा संस्कृति को जमकर हवा दी गई।

भेदभाव की पराकाष्ठा

जैतपुर के पेट्रोल पंप पर बीती रात जो मंजर था, वह व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी था। भीषण अफरा-तफरी के बीच पंप प्रबंधन ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए तेल की अघोषित राशनिंग शुरू कर दी। नियम थोप दिया गया कि बाइक में सिर्फ 200 रुपये और चार पहिया वाहनों में महज 500 रुपये का तेल डाला जाएगा। हैरानी की बात तो यह है कि जब लंबी दूरी का सफर तय करने वाले मुसाफिर तेल के लिए गिड़गिड़ाते रहे, तब दूसरी तरफ रसूखदारों और रसूख रखने वाले खास लोगों को गुपचुप तरीके से 20-20 लीटर के डिब्बे भरकर दिए जा रहे थे। इसी भेदभाव ने उपभोक्ताओं के सब्र का बांध तोड़ दिया और पंप परिसर रणक्षेत्र में तब्दील हो गया।

मैनेजर की मनमानी और कर्मचारियों की बदसलूकी

कार चालक आशिष शुक्ला ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि वह अपनी कार लेकर लाइन में घंटों खड़े रहे। जब उनकी बारी आई, तो उन्हें महज 500 रुपये का तेल देकर चलता कर दिया गया। आशीष ने जब लंबी दूरी की यात्रा का हवाला देकर और तेल की मांग की, तो कर्मचारियों ने दो टूक मना कर दिया। आशिष का गंभीर आरोप है कि उनकी आंखों के सामने ही कुछ चहेतों को बड़े-बड़े डिब्बों में तेल भरकर सप्लाई किया जा रहा था। यही हाल बाइक सवार विक्की बारगाही का रहा। विक्की ने कहा कि 200 रुपये के पेट्रोल में आज के समय में गाड़ी कितनी दूर जाएगी? प्रशासन दावे कर रहा है कि तेल की कमी नहीं है, तो फिर पंप वाले यह मनमानी क्यों कर रहे हैं? क्या यह कृत्रिम किल्लत पैदा कर कालाबाजारी की तैयारी है?

प्रशासन के दावों की हवा निकाल रही हकीकत

एक ओर जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग लाउडस्पीकर पर कह रहा है कि जिले में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक है, वहीं जैतपुर की यह घटना प्रशासन के दावों के गाल पर करारा तमाचा है। सवाल यह उठता है कि अगर स्टॉक पूरा है, तो पंपों पर यह अफरा-तफरी क्यों, क्यों आम आदमी को सीमित तेल देकर डराया जा रहा है।

अफवाहों का बाजार गर्म, दहशत में जनता

सोशल मीडिया पर तैर रही ईरान-इजरायल युद्ध की खबरों ने लोगों के मन में भविष्य के संकट का डर बैठा दिया है। लोग डर के मारे डिब्बों और ड्रमों में तेल स्टॉक करने की होड़ मचा रहे हैं। जैतपुर में हुआ हंगामा इसी पैनिक बाइंग का नतीजा है। यदि समय रहते प्रशासन ने इन बेलगाम पंप मालिकों पर नकेल नहीं कसी, तो आने वाले दिनों में जिले की कानून व्यवस्था बिगडऩा तय है।

---

4 साल की मासूम को रौंदकर भागा बाइक सवार

शहडोल। रफ्तार के जुनून और कानून के खौफ से बेखौफ एक अज्ञात बाइक सवार ने जैतपुर में एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। जैतपुर थाना क्षेत्र के फॉरेस्ट ऑफिस के पास घटित इस रूह कंपा देने वाले हादसे में 4 साल की नन्हीं सनाया खान की दर्दनाक मौत हो गई। सडक़ पर बेतहाशा दौड़ती यमदूत बनी बाइक ने मासूम को इतनी जोर से टक्कर मारी कि वह हवा में उछलकर दूर जा गिरी। मानवता को शर्मसार करते हुए आरोपी चालक मौके पर रुकने के बजाय वाहन समेत फरार हो गया।

दादा के पास जा रही थी मासूम

जानकारी के अनुसार, फॉरेस्ट ऑफिस के पास रहने वाले महबूब खान की लाडली सनाया उम्र 04 वर्ष शुक्रवार सुबह अपने घर से निकलकर सडक़ के दूसरी पार स्थित अपने दादा के घर जा रही थी। मासूम को क्या पता था कि चंद कदमों की यह दूरी उसके जीवन का आखिरी सफर साबित होगी। जैसे ही उसने सडक़ पार करने की कोशिश की, तभी तेज रफ्तार अज्ञात बाइक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मासूम के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग तुरंत दौडक़र मौके पर पहुंचे और लहूलुहान सनाया को स्थानीय अस्पताल ले गए। हालत नाजुक होने पर उसे तत्काल शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही रास्ते में मासूम की सांसें थम गईं। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, उनकी चीखों से पूरे जैतपुर क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

सीसीटीवी के भरोसे पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि उस बाइक सवार की पहचान की जा सके। हालांकि, शुक्रवार सुबह तक आरोपी का सुराग नहीं लग सका था।

पुरानी बस्ती में कब्जा गिरोह का तांडव

रातों-रात गायब हो रही हैं गलियां

शहडोल। संभागीय मुख्यालय की पुरानी बस्ती में अब अंधेर नगरी-चौपट राजा की कहावत को चरितार्थ कर रही है, नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 27/36 में भू-माफियाओं और रसूखदारों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे केवल सरकारी जमीनों को ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक गलियों और रास्तों को भी डकारने पर उतारू हैं। फाटक के पीछे बसी इस घनी आबादी वाली बस्ती में सरेआम रास्तों पर गड्ढे खोदकर निर्माण कार्य किया जा रहा है, लेकिन नगर पालिका का अमला और वार्ड पार्षद धृतराष्ट्र की तरह आंखों पर पट्टी बांधे बैठे हैं।

तिवारी जी का तानाशाही निर्माण

स्थानीय नागरिकों के आक्रोश का लावा अब फटने को तैयार है। बस्ती के जागरूक लोगों का आरोप है कि फाटक के पीछे स्थित आम रास्ते, जहाँ से पीढिय़ों से लोग आवाजाही करते आ रहे थे, वहां तिवारी जी नामक व्यक्ति द्वारा सरेआम कब्जा किया जा रहा है। नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बीच रास्ते में नींव खोदी जा रही है और दीवारें खड़ी करने की तैयारी है। हैरानी की बात यह है कि यह खुला खेल दिनदहाड़े प्रशासन की नाक के नीचे चल रहा है, मानो नगर पालिका की एनओसी जेब में लेकर नहीं, बल्कि कानून को जूते की नोक पर रखकर यह निर्माण हो रहा हो।

नपा की सुस्ती पर उठे सवाल

वार्ड 27/36 की जनता आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। चुनाव के समय घर-घर जाकर वोट मांगने वाले जनप्रतिनिधि आज इस गंभीर अतिक्रमण पर मौन साधे हुए हैं। क्या पार्षद महोदय को गलियों का सिकुडऩा दिखाई नहीं दे रहा या फिर इस मौन के पीछे कोई मधुर समझौता है। नागरिकों ने कई बार नगर पालिका के चक्कर काटे, शिकायती पत्र सौंपे, लेकिन भ्रष्ट तंत्र के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। कार्रवाई के नाम पर केवल खोखले आश्वासन दिए जा रहे हैं, जबकि धरातल पर निर्माण की ईंटें हर गुजरते घंटे के साथ ऊंची हो रही हैं।

प्रशासन की लापरवाही पड़ सकती है भारी

अगर समय रहते इस अवैध कब्जे पर बुलडोजर नहीं चला, तो पुरानी बस्ती में खून-खराबे और बड़े विवाद की स्थिति बन सकती है। सार्वजनिक रास्ते बंद होने से न केवल एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं का रास्ता रुकेगा, बल्कि आमजन के बीच आपसी रंजिश भी बढ़ेगी। आखिर प्रशासन किस बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है, क्या जब दो गुट आपस में भिड़ेंगे या कोई अप्रिय घटना होगी, तभी पीला पंजा (बुलडोजर) हरकत में आएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अतिक्रमण दस्ता क्या केवल कागजों पर तैनात हैं, पुरानी बस्ती की गलियों को कब्जा वीरों के चंगुल से कब आजाद कराया जाएगा।

खबर संक्षेप

अवैध रेत परिवहन करते दो ट्रैक्टर जब्त, दो चालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना भालूमाड़ा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अवैध रेत जब्त कर दो आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 26 मार्च की रात छिडमिडी-भाद मार्ग पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक बिना नंबर के नीले रंग के सोनालिका ट्रैक्टर को रोककर जांच की गई, जिसकी ट्रॉली में करीब 3 घन मीटर अवैध रेत लोड पाई गई। वाहन चालक रामपाल चंद्रा (26 वर्ष) निवासी लोहारी थाना मरवाही जिला जीपीएम (छत्तीसगढ़) बिना टीपी के सोन नदी के शिव घाट बरौर से रेत ले जाकर ग्राम भाद ले जा रहा था। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित रेत जब्त कर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। इसी तरह एक अन्य सोनालिका ट्रैक्टर को भी रोका गया, जिसकी ट्रॉली में 3 घन मीटर अवैध रेत लोड मिली। वाहन चालक भुवनेश्वर सिंह पाव (26 वर्ष) निवासी लोहारी थाना मरवाही जिला जीपीएम (छत्तीसगढ़) को बिना अनुमति रेत परिवहन करते पकड़ा गया। पुलिस ने वाहन और रेत जब्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दोनों मामलों में कुल 6 घन मीटर रेत तथा दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए हैं। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं एवं खान एवं खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही वाहन मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भालूमाड़ा उप निरीक्षक विपुल शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। कार्रवाई में कृपाल सिंह, विवेक त्रिपाठी, देवेंद्र सिंह एवं अभिषेक राजपूत ने भी महत्वपूर्ण सहयोग किया।

सूरज साहू को मंडल महामंत्री बनने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह, बधाइयों का तांता

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। भारतीय जनता पार्टी मंडल अमरकंटक में संगठनात्मक विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मंडल अध्यक्ष रोशन पनारिया ने जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम की सहमति से सूरज साहू को मंडल महामंत्री पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इस नियुक्ति से पूरे नगर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हर्ष और उल्लास का वातावरण व्याप्त है। सूरज साहू की सक्रियता, संगठन के प्रति निष्ठा एवं जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है। उनके मनोनयन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है तथा संगठन को और अधिक मजबूती मिलने की आशा व्यक्त की जा रही है। इस अवसर पर अमरकंटक के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से अंबिका प्रसाद तिवारी (पूर्व विकास प्राधिकरण अध्यक्ष), रामगोपाल द्विवेदी (पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष), राहुल कुमार पांडेय (पूर्व जिला उपाध्यक्ष), अंजना कटारे (जिला महामंत्री), बबीता सिंह, प्रकाश द्विवेदी (सांसद प्रतिनिधि), रूपेश द्विवेदी, दिनेश द्विवेदी, सुखनंदन सिंह, ऋषभ प्रताप सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

बांधवगढ़ के कल्लदवाह में गौर ने दिया बछिया को जन्म

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में पॉपुलेशन मैनेजमेंट स्ट्रेटजी ऑफ हर्बीवोर इन सप्लीमेंट ऑफ गौर प्लान अंतर्गत सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व से बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में गौर पुनर्स्थापन कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।कार्यक्रम के तहत 23 जनवरी से 26 जनवरी 2026 के मध्य कुल 27 गौर को लाकर बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के कल्लावाह वन परिक्षेत्र में निर्मित 20 हेक्टेयर के गौर बाड़े में छोड़ा गया। इन सभी गौरों का भारतीय वन्यजीव संस्थान एवं बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व की संयुक्त टीम द्वारा लगभग सवा माह तक विशेष अनुश्रवण किया गया।

अनुश्रवण अवधि पूर्ण होने के पश्चात 8 मार्च 2026 को सभी गौरों को विशेष निगरानी में खुले जंगल में छोड़ दिया गया।इसी दौरान मादा गौर को बछड़ा/बछिया देने की अवस्था में पाए जाने पर, उसे अन्य जंगली जीवों से सुरक्षा प्रदान करने हेतु 17 मार्च 2026 को पुनः सुरक्षित रूप से गौर बाड़े में लाया गया। निरंतर निगरानी के उपरांत मादा गौर द्वारा 26 मार्च को कल्लावाह रेंज के उत्तर कल्लावाह बीट में एक गौर बछिया को जन्म दिया गया।अनुश्रवण दल द्वारा गौर बछिया को पूर्णतः स्वस्थ पाया गया है तथा वह अपनी माँ के साथ सामान्य रूप से विचरण करते हुए देखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि उक्त मादा गौर को 24 जनवरी 2026 को सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व से पकड़ा गया था तथा 25 जनवरी 2026 को बांधवगढ़ में छोड़ा गया था।गौर एक मेगा हर्बीवोर वन्यप्राणी है, जिसकी जैव विविधता एवं पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होने बताया कि मादा गौर का सामान्य जीवनकाल लगभग 24 वर्ष होता है। यह 2.5 से 3 वर्ष की आयु में प्रजनन योग्य हो जाती है तथा सामान्यतः एक बार में एक बछड़े/बछिया को जन्म देती है। दो प्रसवों के बीच 1 से 2 वर्ष का अंतराल होता है। अपने जीवनकाल में मादा गौर लगभग 7 से 8 बछड़ा/बछिया को जन्म देती है तथा इसकी प्रजनन क्षमता लगभग 18 वर्ष की आयु तक बनी रहती है। गौर बछड़ा / बछिया 8 माह से 12 माह तक माँ का दूध पीते हैं तथा गौर बछड़ा 4 से 5 वर्ष की आयु में समूह और अपने माँ से अलग हो जाते हैं। गौर बछिया सामान्य रूप से अपने माँ और समूह के साथ बने रहते है । समूह में मादा गौर ही अपने समूह की प्रमुख होती है ।

वर्ष 2026 में लाए गए कुल 27 गौरों (22 मादा एवं 5 नर) में से अब तक 1 बछड़ा और 1 बछिया कुल दो गौर का जन्म हो चुका है। यह उपलब्धि बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व प्रबंधन द्वारा किए जा रहे वन्यजीव संरक्षण प्रयासों की सफलता को दर्शाती है। इस प्रकार से जनवरी में लाए गए 27 गौर के समूह में यहां जन्म लेने के कारण 28 फरवरी को एक नर बछड़ा तथा 26 मार्च को बछिया जुड़ गए है।

गुड़ एवं पानी पिलाकर जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ

जल मंदिर की स्थापना से राहगीरों को मिलेगा शुद्ध एवं ठंडा पेयजलः सीईओ

उमरिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मध्यप्रदेश के निर्देशन में राम नवमी के शुभ अवसर पर नवांकुर संस्था पैगाम फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सरोकार की पहल करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान 'जल शक्ति से नव भक्ति' कार्यक्रम के तहत उमरिया जिले के कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रजिस्ट्रार कार्यालय में ''जल मंदिर (प्याऊ)'' का शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया अभय सिंह एवं रजिस्ट्रार आशीष श्रीवास्तव कि उपस्थिति में आगंतुकों के लिए निःशुल्क शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ किया गया। सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और तपती गर्मी में प्यासे राहगीरों एवं आगंतुकों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना है। जल स्रोतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। 'जल मंदिर' जैसी पहलें समाज में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।पैगाम फाउंडेशन के अध्यक्ष ने बताया कि शुभारंभ के बाद नगर के कोने कोने में जल मंदिर की स्थापना की जाएगी जिससे आने - जाने वाले सभी आगंतुकों को तपती गर्मी में पानी के लिए भटकना न पड़े और उन्हें शुद्ध और ठंडा पेयजल मिल सके।हमारा यह प्रयास न केवल जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक होगा,बल्कि समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करेगा। कार्यक्रम में कुलदीप,मेंटर जया भारती साहू सहित नागरिक उपस्थित रहे।

अग्निवीर आर्मी भर्ती की बच्चों को दी गई जानकारी

उमरिया। संयुक्त कलेक्टर ने बताया कि शासकीय पीएम श्री शासकीय उमावि अमरपुर में जबलपुर से आई आर ओ टीम ने क्षेत्रीय बच्चों को अग्निवीर भर्ती की विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम में 300 बच्चों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई । इस अवसर पर सैनिक कल्याण अधिकारी संतोष चतुर्वेदी , विद्यालय के प्रचार्य पवन चतुर्वेदी, शिक्षक, ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

वृहद विधिक जागरूकता शिविर संपन्न

उमरिया। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जिला उमरिया तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस प्रशिक्षण स्कूल उमरिया में वृहद विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का संचालन मोहन डावर, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया द्वारा किया गया। शिविर में पॉस्को एक्ट कानून और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से मिटाना है। जिनके माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में पैरा लीगल वालंटियर उपेंद्र यादव, आशीष साहू,गोपाल तिवारी, रजनी प्रजापति,किरण पनिका ,चंद्रावती साकेश , बद्दी परस्ते ,पुनिया बाई ,सपना साहू,,प्रमोद यादव, हेमलता झरिया, काव्या राठौर एवं कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया से सुजीत महोबिया उपस्थित रहे। इन रचनात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढने की प्रेरणा दी।

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर पूजा-अर्चना करने के लिए अनुष्ठानों का चला दौर

धूमधाम से मनाया गया रामनवमी उत्सव निकली भगवान श्री राम की शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा नगर एवं कोयलांचल तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भक्तों ने शुक्रवार को चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन राम नवमी के रूप में धूमधाम से मनाया। देवी दुर्गा और भगवान राम के भक्तों ने उत्सव के अवसर पर पूजा-अर्चना करने के लिए अनुष्ठानों का पालन किया। भक्तों ने उपवास रखा, मंदिरों के दर्शन किए, विशेष भोग तैयार किया, हवन का आयोजन किया और कन्या पूजन किया। राम नवमी के साथ, देवी दुर्गा और उनके नौ अवतारों को समर्पित चैत्र नवरात्रि का नौ दिवसीय त्योहार संपन्न हुआ। चैत्र नवरात्रि के नौवे दिन रामनवमी के अवसर पर कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम, पंचायती मंदिर, शारदा काली मंदिर, धर्मशाला मंदिर, बूढी माता मंदिर, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, गोविंदा कॉलोनी दुर्गा मंदिर, बुढानपुर गांव के अन्नपूर्णा माता मंदिर, निगवानी गांव में मरखी माता मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का माता के दर्शनों के लिए भीड लगी रही। सुबह 4:00 बजे से ही महिलाएं पैदल चलकर हाथ में पूजा की थाल लेकर माता के मंदिरों में पूजा अर्चना के साथ ही जल चढ़ाने पहुंची। 9 दिनों तक भक्तों ने माता की आराधना पूरे श्रद्धा के साथ की शुक्रवार को नवरात्रि के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने मंदिरों एवं घरों में हवन किया एवं व्रत का पारण किया।

हुआ कन्या भोज

नवरात्रि के अंतिम दिन मंदिरों एवं घरों में लोगों ने कन्या भोज का आयोजन किया। कन्याओं के पैर पूजन के साथ ही उन्हें चुनरी एवं उपहार भेंट किया गया। जगह-जगह भंडारे का आयोजन भी किया गया। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रामनवमी का त्योहार भक्तिपूर्ण ढंग से मनाया गया। नगर के मंदिरो से जवारे जुलूस निकले गए। साथ ही ठाकुर बाबा धाम मंदिर से भगवान राम की शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के मुख्य मार्गो मे भ्रमण करते हुए शिवसागर धाम पहुंची जहां जवारा का विसर्जन करने के पश्चात जुलूस का समापन किया गया। नगर सहित विभिन्न कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रामनवमी का त्योहार भक्तिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा घरों में कलश स्थापित कर माता रानी की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। रामनवमी व जवारा जुलूस धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान जय श्रीराम, जय-जय हनुमान के नारों से पूरा इलाका गुंजायमान होता रहा। लगातार नौ दिनों से अनुष्ठान व व्रत की पूर्णाहुति हवनादि के साथ किया गया। सुबह से शाम तक नगर के सभी देवी मंदिरों में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते रहे।

शारदा काली मंदिर में चैत्र नवरात्रि के दौरान रहता है भारी आस्था और श्रद्धा का माहौल

कोतमा। कोतमा नगर मे स्थित शारदा काली मंदिर में चैत्र नवरात्रि के दौरान भारी आस्था और श्रद्धा का माहौल रहता है। यद्यपि मुख्य प्रसिद्ध मंदिर मैहर में है, लेकिन स्थानीय मान्यता के अनुसार, यहां भक्त मां की अद्भुत रूप में पूजा करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद यहां पूरी होती है और माता भक्तों के सभी कष्ट हर लेती हैं, जिससे यहां भक्तों की भीड़ रहती है। मंदिर परिसर मे अष्टभुजा रूप यहाँ मां काली अष्टभुजा रूप आठ भुजाओं वाली में पूजी जाती हैं, जिन्हें कंकाली माता का ही एक रूप माना जाता है। मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान माता की पूजा करने से भक्तों के जीवन में सुख-समृद्धि और ज्ञान का वास होता है। आसपास के क्षेत्रों कोतमा, अनूपपुर, शहडोल के लोग माता पर अटूट विश्वास रखते हैं और नवरात्रि में विशेष दर्शन के लिए आते हैं। कोतमा और आसपास के क्षेत्रों से भक्त मां शारदा के दर्शन के लिए मैहर तक की लंबी पैदल यात्रा भी करते हैं, जो यहां की अनूठी आस्था को दर्शाता है।नगर के स्वर्गीय जमुना सराफ के द्वारा खुले मे रखी माता शारदा एवं काली की प्रतिमा को बारिश के दिनों मे बारिश से बचाने के लिए रात भर छाता लगाकर बारिश से बचाते थे और पूरी रात ऐसे ही बैठे रहते थे। शारदा काली जी की प्रतिमा का इतिहास अत्यंत आस्थावान और अनूठा है। श्रद्धालुओं ने वर्षों तक इस भव्य प्रतिमा को खुले आसमान के नीचे

रखकर पूजा की और बारिश के दिनों में रात भर छाता लगाकर माता को सुरक्षित रखा, जो उनके अटूट समर्पण को दर्शाता है। वर्षों तक खुले में पूजा के बाद भक्तों ने मंदिर बनाकर माता को स्थापित किया। यह प्रतिमा स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत सिद्ध और श्रद्धा का केंद्र है। नगर के लोगों के द्वारा शारदा काली जी पर अटूट विश्वास जताते हैं। घर मे कोई भी शुभ कार्य करने से पहले माता के मंदिर मे पहुंचकर माथा टेकते हैं और उन्हें आमंत्रित करते हैं। इतना ही नही शादी ब्याह का सबसे पहले निमंत्रण देने भी जाते हैं। और मन्नत पूरी होने के बाद हाजिरी लगाने बैड बाजे के साथ माता के दरबार पहुंचते हैं।

मंदिर के पंडा चंदन प्रसाद ने बताया कि चार साल पहले मै जब सुबह मंदिर का पट खोलने आया तो देखा की दोनों माता की प्रतिमा के सम्मुख दो नारियल चढा हुआ था जबकि मै रात मे माता को शयन करवाने के पश्चात पूरी साफ सफाई कर मंदिर का पट बंद करके घर जाता है। इतना ही नही एक साल पहले दीपावली त्यौहार के दौरान भोर मे लगभग 3.40 बजे जब मै मंदिर का पट खोलने आया तो मंदिर परिसर मे लगा हैंड पंप चलने की आवाज आई और जब मै पट खोला तब भी लगभग 15 मिनट तक हैंड पंप चलने की आवाज सुनाई दी। मंदिर बहुत ही प्राचीन है और दोनों माता लोगों की मनोकामना पूरी करती है। नगर के कामता प्रसाद बताते हैं कि लगभग 75 साल पहले की मूर्ति है पहले टीन का छप्पर बनाकर मूर्ति की स्थापना करते हुए पूजा पाठ की जाती थी और धीरे-धीरे लोगों के सहयोग से मंदिर निर्माण कार्य करवाया गया। शारदा काली मंदिर हमारे नगर के साथ ही आसपास के लोगों के लिए आस्था का केंद्र है। माता रानी सभी की मनोकामना पूर्ण करती है। बर्षो पूर्व स्वर्गीय जमुना सराफ के द्वारा यहां से मैहर तक दूर्गा जी की प्रतिमा का विसर्जन करने के लिए पदयात्रा निकाली गई थी जिसमें हजारों भक्त कोतमा से मैहर तक पदयात्रा मे शामिल हुए थे। तब से यह क्रम निरंतर चलते आ रहा है।

अमरकंटक में सर्वसुविधायुक्त खेल स्टेडियम की मांग

सांसद प्रतिनिधि प्रकाश द्विवेदी ने सौंपा ज्ञापन, शीघ्र सौगात का आश्वासन

अमरकंटक। आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य की पावन भूमि अमरकंटक में खेल अधोसंरचना के विकास को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। क्षेत्र के युवाओं की ओर से सर्वसुविधायुक्त खेल स्टेडियम निर्माण की मांग को लेकर सांसद प्रतिनिधि प्रकाश द्विवेदी ने सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह को मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन में अवगत कराया गया कि अमरकंटक के युवाओं में खेल, विशेषकर क्रिकेट के प्रति गहरी रुचि एवं अपार संभावनाएं विद्यमान हैं, किंतु समुचित संसाधनों एवं आधुनिक सुविधाओं के अभाव में उनकी प्रतिभा को उचित मंच नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में एक सर्वसुविधा युक्त, आधुनिक खेल स्टेडियम का निर्माण क्षेत्र के युवाओं के लिए वरदान सिद्ध होगा। मांग पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि स्टेडियम के निर्माण से न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता का बेहतर अवसर मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में खेल पर्यटन (स्पोर्ट्स टूरिज्म) को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा अमरकंटक की पहचान एक उभरते खेल केंद्र के रूप में स्थापित होगी। साथ ही, खेल गतिविधियों के विस्तार से युवा पीढ़ी स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित होगी और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इस अवसर पर सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने ज्ञापन पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि अमरकंटक में सर्वसुविधायुक्त खेल स्टेडियम के निर्माण हेतु आवश्यक प्रयास शीघ्र किए जाएंगे और क्षेत्रवासियों को जल्द ही इस दिशा में सौगात प्राप्त होगी। इस दौरान उपस्थित युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने हस्ताक्षर कर इस मांग का समर्थन किया तथा विश्वास व्यक्त किया कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से अमरकंटक में खेल सुविधाओं का यह सपना शीघ्र ही साकार होगा।

स्व. यशोदा यादव की स्मृति में काव्य संध्या, कोयलांचल के कवियों ने बांधा समा

बदरा/जमुना। रामनवमी के पावन अवसर तथा स्वर्गीय श्रीमती यशोदा यादव की पुण्यतिथि पर जमुना कॉलरी स्थित दुर्गा पंडाल के पास दादू लाल यादव के निवास पर एक भावपूर्ण काव्य गोष्ठी एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोयलांचल क्षेत्र के वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन दादू लाल यादव द्वारा किया गया, जबकि संचालन वरिष्ठ शायर मोहम्मद यासीन खान ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तथा मां सरस्वती की वंदना नंदलाल सिंह द्वारा प्रस्तुत की गई। काव्य संध्या मंय वरिष्ठ कवि-व्यंग्यकार कैलाश पाटकर, सफी अहमद, यासीन खान, अमरेंद्र सिंह परिहार, धर्मेंद्र मिश्रा एवं युवा कवि कृष्ण कुमार मिश्रा ने अपनी रचनाओं का पाठ कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल त्रिपाठी (खान अधीक्षक सह प्रबंधक) रहे, जबकि अध्यक्षता राजू गुप्ता ने की। इस अवसर पर गंगाधर गोपाल, अजय यादव (उपाध्यक्ष नगर पालिका पसान), धनु मंडल, सुमन मंडल, अमित जायसवाल, सरिता जायसवाल, ललिता यूईके, फूलमती कुमारी यादव, बदरुद्दीन खान, इसराइल खान, विवेक शुक्ला, वीरेंद्र तिवारी, मुकेश लहरे, अजय सिंह, प्रदीप मिश्रा, बोसकी सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्वर्गीय यशोदा यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपस्थित लोगों ने उनकी स्मृतियों को नमन किया तथा रामनवमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

एटीएम चोरी और धोखाधड़ी के दूसरे आरोपी को बुढार पुलिस ने किया गिरफ्तार

बुढार। पुलिस के द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत थाना बुढार पुलिस ने एटीएम चोरी और धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई राशि भी बरामद की गई है।

क्या है पूरा मामला?

मामले की शुरुआत 24 नवंबर 2025 को हुई थी, जब विक्रमपुर (वार्ड नं. 15) निवासी फरियादी जोधेलाल यादव ने थाना बुढार में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी के अनुसार, उनके घर के बाहर रखे एटीएम कार्ड को आरोपी अर्जुन उर्फ आयुष बारी और आयान खान ने चोरी कर लिया था। पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक दर्ज कर विवेचना शुरू की थी।

आयान खान गिरफ्तार

जांच के दौरान पुलिस ने पूर्व में ही एक आरोपी (अर्जुन उर्फ आयुष बारी) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया था। इसी क्रम में, 27 मार्च 2026 को पुलिस ने दूसरे आरोपी आयान खान (पिता जफर खान), निवासी वार्ड नं. 12, बड़ी मस्जिद के पास, बुढार को घेराबंदी कर पकड़ा।

बरामदगी और पुलिस की भूमिका

पुलिस ने आरोपी आयान खान के कब्जे से 15,000/- रुपये नगद बरामद किए हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी बुढार, निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में टीम की सराहनीय भूमिका रहीःउप-निरीक्षक गोविंदराम भगतसहायक उप-निरीक्षक राजा भैया बागरीआरक्षक कृष्ण नारायण मिश्रा महिला आरक्षक कीर्ति अहिरवार का सराहनीय योगदान रहा।

बुढार पुलिस की बड़ी सफलताः लंबे समय से फरार 3 स्थाई वारंटी

गिरफ्तार

बुढार। पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराधियों और फरार वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बुढार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

गिरफ्तार किए गए वारंटियों का विवरणः

पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बच रहे थेः
भैरव राय उर्फ संतोष राय (22 वर्ष): पिता धनेश्वर राय, निवासी रावल मार्केट ओपीएम अमलाई, जिला शहडोल।
गहताब (38 वर्ष): पिता समसू खान, निवासी ग्राम कराली, जिला कौशाम्बी (उत्तर प्रदेश)।
प्रकाशचंद्र निगमः निवासी पीटीएस चौराहा, जिला रीवा।

घेराबंदी कर दबोचा गया

थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने बताया कि पुलिस इन आरोपियों की लगातार तलाश कर रही थी। 27 मार्च को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की और तीनों वारंटियों को धर दबोचा। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी बुढार निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के कुशल नेतृत्व में टीम के सहायक उप-निरीक्षक (सउनि) रविदास संत प्रधान आरक्षक शंकर प्रजापति आरक्षक गोपाल सिंह (वारंट तामीली में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खबर संक्षेप

बड़ी और छोटी माता मंदिर में दर्शन करने उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

सिलौंडी। सिलौंडी गांव के बीचों बीच प्राचीन बड़ी मढिया का माता मंदिर में इन दिनों नवरात्रि पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह-शाम भक्तजन माता के दरबार में पहुंचकर माथा टेक रहे हैं और मातारानी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। नवरात्रि के पावन दिनों में मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का वातावरण बना हुआ है। श्रद्धालुओं ने बताया सिलौंडी में बड़ी मढिया ,छोटी मढिया ,राम बाग के खेरमाता, कटी खेड़ा खेरमाता सहित भारत नगर में दो स्थानों में मां देवी का मंदिर है पुरानी परंपराओं का निर्वहन करते हुए आज भी नवरात्रि के दौरान मंदिर में जवारें बोए जाते हैं। श्रद्धालु माता को अठवाई प्रसाद अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। मान्यता है कि माता के दरबार में सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है। बड़ी मढिया में शर्मा परिवार अपनी पांच पीढ़ियों से माता रानी की सेवा करता आ रहा है। छोटी मढिया में श्रीवास्तव परिवार भी अपनी पांच पीढ़ियों से मां की सेवा कर रहा है सिलौंडी अनेक जगह पर मां का दीवाल है जहा पर परिवार का हर सदस्य चाहे वह किसी भी जगह जाकर निवासरत हो वह नवरात्र की अष्टमी को जरूर आता है और माता रानी की पूजा करता है ।

पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक, प्रशासन सतर्क

कटनी। जिले में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त स्टॉक मौजूद है तथा डिपो से नियमित रूप से आपूर्ति जारी है। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर बुधवार को जिलेभर में एसडीएम एवं खाद्य अधिकारियों द्वारा पेट्रोल पंपों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टॉक की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था एवं प्रति लीटर दरों की भी जानकारी ली गई। एसडीएम बहोरीबंद राकेश चौरसिया ने क्षेत्र के श्याम फिलिंग स्टेशन, सोना पन्ना फिलिंग स्टेशन तथा सत्यसांई भारत गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। यहां पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता पाई गई। इसी क्रम में एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी ने बस स्टैंड के समीप स्थित प्रकाश फिलिंग स्टेशन का निरीक्षण कर स्टॉक एवं दरों की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने विजयराघवगढ़ एवं ढीमरखेड़ा के एसडीएम को भी अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों एवं गैस एजेंसियों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। भविष्य में भी इसकी निरंतरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

आवारा श्वानों को पकड़ कर एबीसी सेंटर भेजा गया

कटनी। नगर निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवारा मवेशियों एवं श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही लगातार जारी है। इस अभियान के तहत निगम की हांका टीम सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिवस फारेस्टर प्लेग्राउंड, एमजीएम अस्पताल के सामने, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कलेक्ट्रेट कार्यालय के आसपास, जालपा मंदिर पहुंच मार्ग तथा लखेरा मुख्य मार्ग सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान घुमंतू मवेशियों (गाय एवं बैल) को पकड़कर वाहन के माध्यम से अमीरगंज स्थित कांजी हाउस भेजा गया। इसी क्रम में कटाएघाट क्षेत्र की कृष्ण धाम कॉलोनी में अभियान चलाकर 6 आवारा श्वानों को पकड़ा गया, जिन्हें एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर भेजा गया है।

करोड़ों का बिजली बिल बकायाः बुढ़ार जनपद में नल-जल योजना ठप, प्यासी जनता बेहाल

बुढ़ार। भीषण गर्मी के बीच बुढ़ार जनपद पंचायत क्षेत्र में जल संकट गहरा गया है। नल-जल योजनाओं के लगभग 02 करोड़ रुपये का विद्युत बिल बकाया होने के कारण विद्युत विभाग ने कनेक्शन काट दिए हैं। ठेकेदार, ग्राम पंचायत और प्रशासन की खींचतान के बीच आम जनता पीने के पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रही है।

इन गांवों में पसरा सन्नाटा, बंद पड़ी हैं टंकियां

बकाया राशि जमा न होने के कारण क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण ग्राम पंचायतों में जल प्रदाय पूरी तरह ठप है। प्रभावित गांवों की सूची लंबी है, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैंःढोलकु, बरगवां-18, बटुरा,खम्रौध, मझौली, जमुनिया,जैतपुर, गलहथा, झींकबिजुरी,खाम्हीडोल और साखी

विद्युत विभाग का पक्ष

इस मामले में कनिष्ठ अभियंता विकास गोदूडे (बुढ़ार, जैतपुर) का कहना है कि विभाग द्वारा सभी संबंधित ग्राम पंचायतों को पंचायत भवन और नल-जल कनेक्शन के बिल समय पर प्रेषित किए जा चुके हैं। लंबे समय से भुगतान न होने के कारण नियमानुसार विद्युत प्रदाय बंद करने का कदम उठाना पड़ा।

अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी

ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदारों और पंचायतों के बीच भुगतान को लेकर चल रहे विवाद का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में पानी की किल्लत ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

इनका कहना हैः

₹कई पंचायतों में अभी नल-जल योजना पूरी तरह हैंडओवर नहीं हुई है। कुछ पंचायतों में बिजली विभाग ने अत्यधिक बिल भी भेजे हैं। इस संबंध में पीएचई विभाग से चर्चा की जा रही है ताकि जल्द भुगतान कराकर जलापूर्ति बहाल की जा सके।₹

— राजीव लघाते, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बुढ़ार

श्रीराम जानकी मंदिर में गूंजा 'जय श्री राम', धूमधाम से मना राम जन्मोत्सव

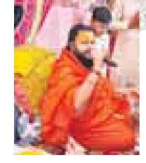

बुढार (शहडोल):कोयलांचल क्षेत्र के सुप्रसिद्ध और आस्था के प्रमुख केंद्र श्रीराम जानकी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। 27 मार्च को आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में समूचा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चारण और शंखध्वनि से सराबोर रहा।

परंपरा और श्रद्धा का संगम

साकेत वासी महंत श्री नारायण दास शास्त्री, एवं राम बालक दास महाराज की सद्प्रेरणा और आशीर्वाद से आयोजित इस उत्सव में पुरानी परंपराओं को जीवंत रखा गया। वर्तमान महंत श्री अर्जुन दास महाराज के सानिध्य में सभी धार्मिक अनुष्ठान पूरी गरिमा के साथ संपन्न हुए। दोपहर जैसे ही प्रभु का जन्म हुआ, मंदिर परिसर ₹भए प्रकट कृपाला, दीनदयाला...₹ के भजनों और जयकारों से गूँज उठा।

श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

इस अवसर पर कोयलांचल क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन किए। भक्तों के 'जय श्री राम' के गगनभेदी उद्घोष ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। क्षेत्र के लोगों के लिए यह मंदिर न केवल एक पूजा स्थल है, बल्कि सनातन संस्कृति और उच्च परंपराओं का संगम भी है।

प्रमुख आकर्षणः

वैदिक अनुष्ठानः विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा-अर्चना।परंपरा का निर्वहनः महंत श्री अर्जुन दास महाराज के नेतृत्व में दशकों पुरानी पद्धति से उत्सव का आयोजन।भक्तिमय माहौलः श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति और सामूहिक आरती।

प्रकृति की हरीतिमा देवी की पाली में बिछी मखमली चादर

अपार भीड़ में छोटी पड गयी पाली नगरी

बिरसिंहपुर पाली। जगत जननी माँ बिरासनी नगरी बिरसिंहपुर पाली का ऐतिहासिक जवारा जुलुस माँ बिरासनी दरबार से अपने तय समय पर निकाला गया। बिरासनी मंदिर में विधिवत पूजा आराधना और काली पूजन बिरासनी मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कलेक्टर धरणेंद्र कुमार जैन पुलिस अधीक्षक श्री भागवानी, अपर कलेक्टर अभय सिंह ओहरिया,अनु विभागीय अथिकारी श्रीमती रीता डहेरिया विधायक बांधवगढ़ विधानसभा शिव नारायण सिंह के व्दारा की गयी। दुनिया भर मे ख्याति लब्ध बिरासनी देवी मंदिर का ऐतिहासिक जवारा जुलुस अपने अभिनव तरह से मनाने के लिए प्रसिद्ध है। बिरसिंहपुर पाली के जवारा जुलुस की विशेषता यह रही है की इस उत्साह में सभी धर्मों के लोगों का सराहनीय योगदान देखने को मिलता है।

जब मंदिर से नगर के लिए जवारा जुलुस निकलता है तो नगर में एक बार प्रकृति की हरीतिमा की मखमली चादर ओढ़े पाली नगरी में सचमुच लगता है की हरीतिमा देवी की माया चहुओर बिछी हुई है। नगर में अपार भीड़ से पाली नगरी छोटी पड जाती है। नगर की बहुमंजिला भवनों में चढ कर श्रद्धालुओं ने माता की झांकी,बाना लिये भक्तों , करमा नृत्य, काली नृत्य और जवारा जुलुस का मन मुग्ध कर देने वाला दृश्य हर एक दर्शक का मन मोह लिया। इसके साथ ही बिरासनी सेवा समिति के व्दारा निकाली गई चल समारोह में आगे बिरासनी देवी मंदिर की जीवंत झांकी, जाम्बवन्त, बागेश्वर धाम की झांकी, भगवान कृष्ण, नवदुर्गा देवी के नौ अलग अलग स्वरूपों में, चौषठ योगनी , राम सीता की मनोहर झंकिया, दर्शकों को बांध रखी थी। जवारा जुलुस में हेलीकॉप्टर से की गयी हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा आर्कषण का केंद्र बिंदु रहा। इस बार बिरासनी मंदिर में लगभग 12 हजार जवारा मनोकामना कलश बोये गयें थे।
जवारा जुलुस में क्षेत्र भर के प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ मानपुर क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह,भारतीय जनता

पार्टी के जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष सुश्री शकुन्तला प्रधान, मंडल अध्यक्ष श्री मती राधा तिवारी के साथ सैकड़ों पदाधिकारियों की उपस्थिति रही, वही पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय कोल,जनपद अध्यक्ष मनीष सिंह,शहडोल जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह, ब्लाक अध्यक्ष रवि मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद उपाध्याय, संजीव खण्डेलवाल, जानकी मिश्रा, रमेश सिंह आदि के नेतृत्व में सैकड़ों पदाधिकारियों की उपस्थिति जुलुस में देखने को मिली। जवारा जुलुस में प्रशासनिक व्यवस्था चाक चौबंद बनी रहे इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों में अपर कलेक्टर अभय सिंह ओहरिया, अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, अनुविभागीय अधिकारी श्री मती

रीता डहेरिया, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एस सी बोहित शुरू से कमान संहाल रखी।
इस जवारा जुलुस में दूर दूर से लाखों दर्शको ने भाग लेकर जवारा जुलुस को एक बार फिर से ऐतिहासिक बनाने में साक्षी बने।

पाली में संतोषी माता निपनिया के खेर माता में निकलेगे जवारा

बसंतीय नवरात्रि की अपनी खूबसूरती और महत्ता अद्भुत निराली है, बसंतीय नवरात्रि में चैत्र शुक्ल पक्ष नवरात्रि का महा पर्व पूर्णिमा तक निरंतर रूप से जवारा विर्सजन होने की परंपरा बनी हुई है। इस कडी में कल पाली के संतोषी माता मंदिर में और समीपवर्ती ग्राम निपनिया में खेर माता और बिरासनी देवी धरतिन माता का सामूहिक जवारा जुलुस निकाला जायेगा। नवमी से शुरू हुआ जवारा विसर्जन कार्यक्रम पूर्णिमा को धनवार में अंतिम समापन तक अनवरत रूप से चलता है

रामनवमी के सुभ अवसर पर सार्वजनिक प्याऊ का हुआ शुभारंभ

शहडोल /चन्नौडी बुढ़ार जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम किशोरी में सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय के मार्गदर्शन में श्री बजरंग ग्राम विकास समिति चन्नौडी द्वारा प्याऊ का शुभारंभ किया गया। उपस्थित लोगों को लड्डू चना गुड़ और शरबत पिलाकर प्याऊ का शुभारंभ किये ।उप सरपंच सतेन्द्र प्रताप सिंह ने जल के महत्व को बताते हुए कहा कि सार्वजनिक प्याऊ होने से आते जाते राहगीरों को शीतल जल मिल सकेगा इस भीषण गर्मी मैं पानी की आवश्यकता हर मनुष्य जीव जंतु को होती है हमें प्रयास करना चाहिए की अपने घरों पर पक्षियों के लिए भी व्यवस्था कर सके। मनुष्य तो अपनी कहीं ना कहीं व्यवस्था कर लेता है लेकिन पशु पक्षियों के लिए ज्यादा समस्या रहती है इसलिए हमें यह सब प्रयास करना चाहिए। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अंतर्गत लोगों से कहा की हम अपने आसपास नदी नाले तालाबों को साफ सफाई श्रमदान करके नदी मैं बोरी बंधान करके पानी की व्यवस्था कर सकते हैं ।इस मौके पर उप सरपंच गोरेलाल सिंह, सुरेश महरा, बाबादीन महरा,प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष अभिलाष चतुर्वेदी, दीपेश शर्मा, अमित, बृजेश बरगाही,तुलसी सिंह,अखिलेश महरा, सिंह ,कमलेश परस्ते,पनमेश्वर सिंह, पूरन सिंह,लल्लू सिंह नवांकुर संस्था के सचिव सुरेश मिश्रा,सुधीर मिश्रा और प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सोन पुल के नीचे सोननदी में मिली खंडित बुद्ध की पुरातात्विक प्रतिमा

अनूपपुर। अनूपपुर नगर के सोन नदी पर स्थित पुल के समीप कलेक्टर निवास के पास सोननदी में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा रखे गए भगवान बुद्ध की पुरातात्विक मूर्ति जो खंडित स्थिति में दो भाग में रही है की होने की सूचना जनपद पंचायत जैतहरी के पंचायत सचिव अरूण द्विवेदी द्वारा जिला पुरातत्व एवं पर्यटन समिति अनूपपुर सदस्य शशिधर अग्रवाल को दिए जाने पर अग्रवाल द्वारा पर्यटन एवं संस्कृतिक विभाग के प्रभारी उमेश पांडेय के साथ स्थल पर पहुंचकर खंडित मूर्ति को बरबसपुर निवासी श्रीकांत पाण्डेय, मनोहर लाल एवं अन्य के साथ सुरक्षित उठाकर सुरक्षित स्थान पर रखाया गया। संभावना व्यक्त की जा रही है कि उक्त मूर्ति अनूपपुर नगर के समीप ग्राम पंचायत परसवार के करहीवाह गांव के किनारे बाबामढी नामक कर्चुली कालीन पुरातात्विक मंदिर के अवशेष वाले स्थल की है जिसे अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ला कर सोननदी के बीच में अज्ञात कारणों से रखा गया रहा होगा।

दुर्ग-हरिद्वार-दुर्ग के मध्य 11-11 फेरों के लिए समर स्पेशल ट्रेन का होगा परिचालन

अनूपपुर। ग्रीष्मकाल के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दुर्ग-हरिद्वार-दुर्ग के मध्य 11-11 फेरों के लिए समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 08743 दुर्ग-हरिद्वार साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन, दुर्ग से 19 अप्रैल से 28 जून तक (11 फेरा) प्रत्येक रविवार को चलेगी, इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08744 हरिद्वार-दुर्ग साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन, हरिद्वार से 20 अप्रैल से 29 जून (11 फेरा) प्रत्येक सोमवार को चलेगी इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों में दिया गया है। 08743 दुर्ग-हरिद्वार साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन, दुर्ग से प्रत्येक रविवार को 11.00 बजे रवाना होगी तथा रायपुर आगमन 11.36 बजे, प्रस्थान 11.41 बजे, भाटापारा आगमन 12.28 बजे, प्रस्थान 12.30 बजे, उसलापुर आगमन 13.45 बजे, प्रस्थान 13.55 बजे, पेंड्रारोड आगमन 15.13 बजे, प्रस्थान 15.15 बजे, अनूपपुर आगमन 15.53 बजे, प्रस्थान 15.55 बजे, शहडोल आगमन 16.35 बजे, प्रस्थान 16.45 बजे एवं उमरिया आगमन 17.33 बजे, प्रस्थान 17.35 बजे तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन सोमवार को 17.30 बजे हरिद्वार स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार 08744 हरिद्वार-दुर्ग साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन हरिद्वार से प्रत्येक सोमवार को 18.55 बजे रवाना होगी तथा तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन उमरिया आगमन 18.44 बजे, प्रस्थान 18.46 बजे, शहडोल आगमन 19.45 बजे, प्रस्थान 19.55 बजे, अनूपपुर आगमन 20.33 बजे, प्रस्थान 20.35 बजे, पेंड्रारोड आगमन 21.10 बजे, प्रस्थान 21.12 बजे, उसलापुर आगमन 23.40 बजे, प्रस्थान 23.50 बजे, तीसरे दिन भाटापारा आगमन 00.40 बजे, प्रस्थान 00.42 बजे, रायपुर आगमन 01.40 बजे, प्रस्थान 01.45 बजे तथा बुधवार को 03.00 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

अनूपपुर नगरपालिका की बड़ी लापरवाही

रामनवमी पर गंदगी का साया

वेतन न मिलने से ठप हुई सफाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पावन रामनवमी के अवसर पर अनूपपुर नगरपालिका क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शहर में जगह-जगह गंदगी का अंबार नजर आया, जिसका मुख्य कारण सफाई कर्मचारियों का बकाया वेतन बताया जा रहा है। वेतन भुगतान न होने से नाराज कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया, जिससे त्योहार के दिन श्रद्धालुओं और आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस स्थिति ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रामनवमी जैसे पावन अवसर पर जहां पूरे अनूपपुर शहर में साफ-सफाई और बेहतर व्यवस्था की अपेक्षा की जाती है, वहीं इस बार हालात इसके विपरीत नजर आए। जानकारी के अनुसार, अनूपपुर नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों को लंबे समय से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे नाराज होकर उन्होंने काम बंद कर दिया। इसका सीधा असर शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर पड़ा और मुख्य मार्गों, मंदिरों के आसपास तथा सार्वजनिक स्थलों पर कचरे के ढेर लग गए है। त्योहार के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में पहुंचे, लेकिन गंदगी और अव्यवस्था के कारण उन्हें असुविधाओं का सामना करना पड़ा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को इस समस्या की पहले से जानकारी थी, लेकिन समय रहते कोई समाधान नहीं निकाला गया है। इससे न केवल नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर

सवाल उठे हैं, बल्कि धार्मिक आयोजन की गरिमा भी प्रभावित हुई है।

वेतन बकाया, कर्मचारियों ने रोका काम

नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिससे वे आर्थिक संकट में हैं। बार-बार मांग करने के बावजूद भुगतान नहीं होने पर उन्होंने काम बंद कर दिया। कर्मचारियों का आरोप है कि प्रशासन उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रहा है। ऐसे में त्योहार के दिन सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई, जो नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल है।

त्योहार पर गंदगी से जनता परेशान

रामनवमी पर शहर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचे, लेकिन जगह-जगह फैली गंदगी ने उनकी परेशानी बढ़ा दी। मंदिर परिसरों और प्रमुख मार्गों पर कचरे का अंबार देखने को मिला, जिससे धार्मिक माहौल प्रभावित हुआ। नागरिकों ने इसे प्रशासन की बड़ी विफलता बताया और कहा कि ऐसे अवसरों पर विशेष व्यवस्था होनी चाहिए थी।

प्रशासन की लापरवाही उजागर

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका को कर्मचारियों के वेतन संबंधी समस्या की जानकारी पहले से थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यदि समय रहते भुगतान कर दिया जाता, तो सफाई व्यवस्था बाधित नहीं होती। यह प्रशासनिक उदासीनता का स्पष्ट उदाहरण है, जिसने पूरे शहर को प्रभावित किया है।

समाधान की मांग, जल्द भुगतान जरूरी

इस मामले को लेकर नागरिकों और कर्मचारियों ने प्रशासन से तत्काल वेतन भुगतान की मांग की है। उनका कहना है कि कर्मचारियों को उनका अधिकार मिलना चाहिए, तभी व्यवस्था सुधर सकती है। साथ ही, भविष्य में इस तरह की स्थिति न बने, इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना भी जरूरी है, ताकि शहर की स्वच्छता और व्यवस्था बनी रहे।

उप स्वास्थ्य केंद्र मुंडा में बड़ा खुलासा, अपनी जगह पर रखा बाहरी मजदूर

हफ्ते में दो दिन ड्यूटी, बाकी दिन 'प्रॉक्सी सिस्टम' से चल रहा अस्पताल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के जैतहरी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंडा के उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। यहां पदस्थ एमटीएस रोहित गुप्ता की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं, जहां वे सप्ताह में केवल एक-दो दिन ही केंद्र पहुंचते हैं और अपने स्थान पर एक अन्य व्यक्ति से कार्य करवा रहे हैं। इस मामले ने न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोली है, बल्कि श्रमिक शोषण और प्रशासनिक उदासीनता को भी सामने ला दिया है। जिले के ग्राम पंचायत मुंडा के उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, यहां पदस्थ एमटीएस रोहित गुप्ता नियमित रूप से अपनी ड्यूटी नहीं निभा रहे हैं और सप्ताह में केवल एक-दो दिन ही अस्पताल पहुंचते हैं। उनके स्थान पर बद्री राठौर नामक व्यक्ति को मात्र 2000 मासिक वेतन पर साफ-सफाई और अन्य कार्यों के लिए रखा गया है। बद्री राठौर का कहना है कि उन्हें सीएचओ प्राची गुप्ता के निर्देश पर प्रतिदिन एक-दो घंटे काम करने को कहा गया है। जब इस संबंध में सीएचओ से बात की गई तो उन्होंने स्वीकार किया कि बद्री राठौर केवल सफाई ही नहीं बल्कि अन्य कार्यों में भी सहयोग करते हैं, जबकि एएनएम ने इस पूरे मामले की शिकायत पहले ही उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही है। वहीं जैतहरी के बीएमओ डॉ. श्याम ने इस मामले से अनभिज्ञता जताई है, जो प्रशासनिक लापरवाही को और उजागर करता है। ग्रामीणों ने इसे स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी चूक बताते हुए तत्काल जांच और कार्यवाही की मांग की है।

ड्यूटी से गायब, 'प्रॉक्सी' से चल रहा काम

ग्रामीणों का आरोप है कि एमटीएस रोहित गुप्ता नियमित रूप से उप स्वास्थ्य केंद्र नहीं आते और सप्ताह में सिर्फ एक-दो दिन ही अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। उनके स्थान पर बद्री राठौर को काम पर रखा गया है, जो बेहद कम वेतन पर सफाई से लेकर अन्य जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। यह स्थिति न केवल शासकीय नियमों का उल्लंघन है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए इस तरह की लापरवाही सीधे तौर पर ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

2000 में मजदूरी, शोषण का आरोप

बद्री राठौर को मात्र 2000 प्रतिमाह में काम पर रखा जाना श्रमिक शोषण का स्पष्ट उदाहरण माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इतनी कम राशि में किसी से नियमित कार्य करवाना न केवल अमानवीय है बल्कि श्रम कानूनों का भी उल्लंघन है। बद्री ने खुद स्वीकार किया कि वे रोजाना अस्पताल में साफ-सफाई और अन्य कार्य करते हैं। इस मामले ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर इस

स्वास्थ्य विभाग में MTS (Multi-Tasking Staff) का कार्य

1. कार्यालय संबंधी कार्य
2. स्वच्छता एवं सफाई कार्य
3. अस्पताल/स्वास्थ्य केंद्र में सहयोग
4. भंडारण एवं सामग्री प्रबंधन

तरह की व्यवस्था को कैसे नजरअंदाज किया जा रहा है।

जिम्मेदारों के बयान में विरोधाभास

इस पूरे मामले में अधिकारियों के बयान भी विरोधाभासी नजर आ रहे हैं। जहां सीएचओ प्राची गुप्ता ने बद्री राठौर से काम करवाने की बात स्वीकार की, वहीं एएनएम ने पहले ही इस मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से करने की जानकारी दी है। दूसरी ओर, बीएमओ डॉ. श्याम का यह कहना कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है, प्रशासनिक समन्वय की कमी को दर्शाता है। यह स्थिति साफ करती है कि जिम्मेदार अधिकारी या तो लापरवाही बरत रहे हैं या फिर जानबूझकर मामले को नजरअंदाज कर रहे हैं।

ग्रामीणों में आक्रोश, कार्रवाई की मांग

इस पूरे मामले को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि उप स्वास्थ्य केंद्र जैसी महत्वपूर्ण संस्था में इस तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि रोहित गुप्ता को तत्काल पद से हटाया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही, केंद्र में नियमित और जिम्मेदार कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके।

रामनवमी पर राम जानकी मंदिर में उमड़ा जनसैलाब, जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा अनूपपुर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी के पावन अवसर पर राम जानकी मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। आस्था और उत्साह से सराबोर इस आयोजन में हजारों की संख्या में भक्तों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः लगभग 10:00 बजे से हुई जिसमें भजन-कीर्तन रामचरितमानस पाठ एवं विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर को फूलों और आकर्षक सजावट से भव्य रूप दिया गया था जिससे वातावरण अत्यंत मनोहारी और आध्यात्मिक बना रहा। भक्तगण पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-पाठ में लीन नजर आए। रामनवमी के शुभ मुहूर्त के अनुसार दोपहर 12:00 बजे भगवान श्रीराम के जन्म का विशेष अनुष्ठान विधि-विधान से संपन्न किया गया। इस दौरान पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक और महाआरती की गई। जैसे ही जन्म का समय हुआ मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने घंटे-घड़ियाल बजाकर और जयकारों के साथ प्रभु श्रीराम का स्वागत किया। मुख्य कार्यक्रम सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चला जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर परिसर में दर्शन हेतु सुव्यवस्थित कतारों की व्यवस्था की गई थी जिससे भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय प्रशासन एवं मंदिर समिति

द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर कई श्रद्धालुओं ने अपने बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया। धार्मिक मान्यता के अनुसार रामनवमी के दिन किया गया यह संस्कार अत्यंत शुभ माना जाता है जिसके चलते दूर-दूर से आए परिवारों ने अपने बच्चों का विधि-विधान से मुंडन करवाया और भगवान श्रीराम से आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके साथ ही मंदिर में प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया। सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई। राम जानकी मंदिर अनूपपुर में मनाया गया रामनवमी का यह पर्व आस्था परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर सामने आया। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ और उत्साह ने इस आयोजन को भव्य एवं यादगार बना दिया।

अमरकंटक में पहली बार चैत्र नवरात्र पर दिखी अद्भुत तपस्या

फड़ापेन तपस्वी ने शरीर पर उगाये जवारे, विधिवत पूजन पश्चात मां नर्मदा में विसर्जित किए गए जवारे

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर अमरकंटक स्थित गोंडी धर्म ध्वजा फड़ा पेंठाना गोंडवाना मेला मैदान में आस्था, साधना और तपस्या का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां ज्योति ज्वारों की अनोखी साधना लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस धार्मिक आयोजन में फड़ापेन तपस्वी राजेंद्र परते एक ऐसी कठिन तपस्या की, जिसे देखकर हर कोई आश्चर्यचकित है। तपस्वी राजेंद्र परते अपने शरीर पर जवारे उगाने की कठिन साधना में लीन रहे। यह तपस्या पूरे नवरात्रि लगातार चली। अष्टमी को पूजन पश्चात विशाल जवारा विसर्जन यात्रा निकाली गई और मां नर्मदा में ज़वारा विसर्जित किया गया जवारा यात्रा मां नर्मदा मंदिर भी पहुंची यहां पर मां नर्मदा की परिक्रमा की गई इसके बाद नगर में इस यात्रा को बड़े उत्साह के साथ निकलते हुए मां नर्मदा नदी में यात्रा का समापन हुआ जहां जवारे विसर्जन किए गए शामिल लोगों ने कहा कि यह इस वर्ष पहली बार है और शुरुआत हुई है आने वाले समय में इसे और विशाल रूप दिया जाएगा। शरीर पर जवारे उगाने जैसी यह साधना न केवल हैरान करने वाली है, बल्कि गहरी आस्था, संयम और आध्यात्मिक शक्ति का भी प्रतीक मानी जा रही है। इस अनूठी तपस्या को देखने के लिए अमरकंटक में लगातार श्रद्धालुओं और दर्शकों की भीड़ लगती रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एडवोकेट हेमंत कुमार मरावी ने बताया कि यह आयोजन गोंडवाना स्व. दादा हीरा सिंह मरकाम की प्रेरणा से संपन्न हो रहा है। इस विशेष साधना और कार्यक्रम में उनके सुपुत्र तुलेश्वर सिंह मरकाम विधायक तानाखार (छत्तीसगढ़), श्याम सिंह मरकाम (राष्ट्रीय महासचिव, मध्यप्रदेश प्रभारी), उदय सिंह पंद्राम (फड़ापेन साधक), मानिक सिंह पंद्राम (उपाध्यक्ष गोंगपा, अखंड ज्योति पुजारी), चंद्रभान पंद्राम, कमल सिंह नेताम, भंवर सिंह मरावी सहित अनेक लोग सहयोग प्रदान कर रहे हैं। अमरकंटक में चल रहा यह विशाल ज्वारा कार्यक्रम श्रद्धा और परंपरा का अद्भुत उदाहरण बन गया है। चैत्र नवरात्रि के दौरान इस तरह की तपस्या और साधना न केवल स्थानीय लोगों बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

आस्था, परंपरा और तपस्या का यह दुर्लभ दृश्य अमरकंटक को इन दिनों विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान दे रहा है।

सरस्वती शिशु मंदिर अमरकंटक में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम घोषित

5 वीं एवं 8 वीं बोर्ड सहित, वार्षिक गृह परीक्षा में भी विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पावन नगरी अमरकंटक स्थित सरस्वती शिशु मंदिर एवं सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वार्षिक गृह परीक्षा का परिणाम 25 मार्च को हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ घोषित किया गया। विद्यालय परिवार के लिए यह अवसर गर्व और आनंद का रहा, जब सभी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के अरुण, उदय, प्रभात वर्ग सहित कक्षा छठवीं, सातवीं, नवमी एवं ग्यारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की लगन, अनुशासन तथा शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। परिणाम घोषणा के अवसर पर प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैय्या-बहनों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सभी विद्यार्थियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा, जिससे विद्यालय में हर्ष और गर्व का वातावरण व्याप्त रहा। उल्लेखनीय है कि बोर्ड पांचवी एवं आठवीं के घोषित परीक्षा परिणाम में सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

हुए हैं कोई भी छात्र द्वितीय तृतीय श्रेणी में नहीं है और ना ही पूरक आया है कोई भी अनुत्तीर्ण नहीं है। 5 वीं एवं 8 वीं का बोर्ड परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत घोषित होने से विद्यालय परिवार की खुशी दोगुनी हो गई। यह सफलता विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली एवं सतत शैक्षणिक प्रयासों का प्रतीक है। इस अवसर पर विद्या भारती महाकौशल प्रांत के प्रांत अंकेक्षण प्रमुख रामबहोरी पटेल, विद्यालय के पूर्व अध्यक्ष अम्बिका तिवारी, पूर्व व्यवस्थापक एवं संघ के खंड संघचालक ओमप्रकाश अग्रवाल (बबलू), विद्यालय के कोषाध्यक्ष मुनीश पांडेय, व्यवस्थापक सुमित चौकसे, समिति सदस्य दिनेश साहू एवं विद्यालय के प्राचार्य रोहित त्रिपाठी सहित समस्त आचार्य, दीदी, भैय्या एवं बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही परिणाम घोषणा के समय वरिष्ठ आचार्य लखन प्रसाद द्विवेदी, व्याख्याता बलराम साहू, परीक्षा प्रभारी महेंद्र गुप्ता, रवि शंकर तिवारी, शिव प्रसाद त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, सुरेश वर्मैया, ओम प्रकाश चौधरी, राम प्रसाद राम, श्रीमती नीतू सिंह, श्रीमती अनुराधा सिंह, श्रीमती राधा सिंह, राम मिलन परस्ते एवं अमित सेन सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-आचार्यगण उपस्थित रहे। विद्यालय के शिक्षकों एवं आचार्यगण के अथक परिश्रम, समर्पण एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप ही इस वर्ष का परीक्षा परिणाम सर्वोत्कृष्ट रहा, जिसने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को एक नई ऊँचाई प्रदान की है। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं एवं आशीर्वचनों के साथ हुआ, जिसमें सभी ने उनके सतत प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की कामना की।